जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

25 जनवरी, 2022

प्रेस विज्ञप्ति

आजादी का अमृत महोत्सव: जामिया में ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने 24 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड, बहरीन, कतर, दुबई के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिष्ठित कवियों ने प्रेम, शांति और सद्भाव जैसे विभिन्न विषयों पर अपने कलाम पेश किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. फारूक थे और अध्यक्षता जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने की।

अपने संबोधन में प्रो. अख्तर ने कहा कि वर्तमान महामारी के बावजूद देश विभिन्न तरीकों से आजादी का अमृत महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मना रहा है। हमारे स्वतंत्रता संग्राम और उर्दू भाषा के बीच घनिष्ठ संबंध रहा है। उर्दू भाषा का एक अभिन्न अंग मुशायरा भी है जिसने हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने, देश में गंगा-जमुनी संस्कृति को बढ़ावा देने और भारत के नागरिकों के बीच प्रेम के रिश्ते को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कुलपति ने राष्ट्रीय बालिका दिवस की भी शुभकामनाएं दीं और कहा कि सशक्त देश के लिए लड़कियों का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय में लैंगिक अनुपात में सुधार हो रहा है।

अपनी शायरी प्रस्तुत करने वाले प्रमुख शायरों में डॉ अब्दुल्ला, यूएसए; श्री खुर्शीद अलीग, बहरीन; श्री नईम सैयद, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए; डॉ हिलाल फरीद, इंग्लैंड; श्री अजीज नबील, कतर; श्री एस सरोश आसिफ, दुबई शामिल थे। भारत के विभिन्न शहरों के शायरों में श्री हसन कमल, श्री अजहर इनायती, श्री सिराज अजमाली, श्री राजेश रेड्डी, सुश्री नुसरत मेहदी, सुश्री सलमा शाहीन और श्री मोइन शादाब ने मुशायरे में शिरकत की। श्री मोइन शादाब ने मुशायरे का संचालन भी किया ।

जामिया के शायरों में प्रो. शेहपर रसूल, डॉ. अहमद महफूज़, डॉ. कौसर मज़हरी, डॉ. अहमद नसीब खान, डॉ. रहमान मुसव्विर और डॉ. खालिद मुबाशिर ने अपने कलाम पेश किए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया